

[illegible]

[illegible][illegible]

यथा कुरुनी वरुणा ॥ यथा नृमो विकला जगता वरुणा यथा ॥ ॥ ध्वजकालनगुणवती ननु न कविना यथा रतिमा
 कनजुलया रुकुनी यदीना धर्मसाक्या रुवमिसेयल यन रुमनदाया वकल नमादवर्ध ॥ ॥ विनादा ध्वजसा
 रुया विलय कनूर्णवदू ॥ निमग्रादू ४ खडल (ध्व) ॥ कार्कसमवर्तन ॥ ॥ ध्वननी गावती नष्टया रुवयून नृति कनून न नृन क
 ॥ ॥ कयार् २ ४ खडा रु समुद्र सयदनया व ॥ ॥ कयार् ॥ ॥ सागुदाय कनूना सर्वो विक्रीय शूरकर्म कृ ॥ ॥ तथा ध्वजयथा ग
 क्रिया नलोका वि सा क्रिया ॥ ॥ ध्वजुलवती न ध्वननी धव गुरु सदवदी व व सुमी याव ध्वयनी न क्क सुव वृयार् य समी यार् व
 न न कयार् वी या धव जथा सक्र ध्विया कर् ॥ ॥ रस्मि न वयू न च क वा सय रति जिवर् ॥ ॥ विष्णु रा कि न ॥ ॥ ता शा को सय ॥ ॥
 वादि गयरा ॥ ॥ ध्वननी ध्वजुलवती न ध्वनं गव सिसा संता न वा सयार् विष्णु रा क सय ग ॥ ॥ ता वतन सय ॥ ॥ व सय ग या रु
 वर्नि ॥ ॥ वगद्वय गयार् सिसा ॥ ॥ जन्म मन ला ७ कृ ॥ ॥ कादशी वर सिसा क सवन कार्किक सय ॥ ॥ ध्वजुलवती न ध

र्मन गा जन्म गायार् जन्म धाय म्ना गा रु विधान (ध्व) कादशी वर विधान ध्व कार्किक वर ध्वन गायार् ॥ ॥ वगद्वय क
 न समार्गी वयि र्य कर् ॥ ॥ रुकि मू कि वर सिसा क यूर सय रिदा यर् ॥ ॥ रु सय रा म ध्व वर न गा रु ज्जु गी यी य यिरु स यूर
 सय रु रुकि विव यन र समु कि विव समु क विधान (ध्व) या रु ॥ ॥ कार्किके मा सिय निर्य गुला सिसा दिवा क ॥ ॥ वार ४ म्ना ॥
 र्मनि र मू का महा याग कि ना यिव ॥ ॥ कार्किके मा सन मूर्य गा रु वार् सिस वी य वार म्ना न या क र्म मू कि रु महा याग कि रु
 ध श्व मू कि वी ॥ ॥ म्ना न जा गव र्दी र्य गुल गी वन यालन ॥ ॥ कार्किके य व कूर्वे गि न न वा विष्णु मूर्य ॥ ॥ कार्किके न मा
 व कूर्व जा गव र्दी र्य दी य क्का यका गुल गी सर कया रु गुल गी निदान या रु ध र्म नू र्वा सा का ७ विष्णु मूर्य धाय ॥ ॥ र्म
 म्ना र्जनी विष्णु गुरु स्वमिका दिनि वदन ॥ ॥ विष्णु ४ पूजा विय कूर्य न न वा विष्णु मूर्य ॥ ॥ विष्णु या द व व स ग्रा दिन व
 या क विष्णु द व स सविक वा क विष्णु पूजा या क ध र्म नू र्वा सा का ७ विष्णु धाय ॥ ॥ ०० र्क दिन गय मयि कार्किक

कनकवदवसर्मावाक्रा ॥ धनवज्रमसंकुनवदू सगाजितनाजा ॥ ॥ यथुं दनामासाङ्गन स्वसागुलवरीशुगाश ॥
 कनक ॥ जन्मयायूसमीवदनाम ॥ धनमसङ्गुन ॥ मर्क कुगुलवरीनामदु ॥ जन्मसङ्गवसयरासानामयादजाय
 पयर् ॥ ॥ कार्तिकस्रानयूनन वरुमयीतिदायिनी ॥ ॥ कार्तिकनमानकूयायूयनअनितयिनिक्कयार् ॥ ॥ समद्व
 नित्वयायूर्व कुलगीवाटिकाकृत् ॥ नम्यादयंकलातनु म्मर्गलगत ॥ ॥ ॥ शसयरास कनयूर्वजन्मसङ्ग
 गीवाटिकाङ्गद्वयमयर् ॥ धनयूननयात्रीजातसिमाकूनगृहसर्पान् ॥ ॥ कार्तिकदीपदानेय चयायकुकुर्गयूना ॥
 चदरुगदसंभूर्य तस्मालक्ष्मीस्त्रिगव ॥ ॥ शसयरास कार्तिकनकूनमर्गङ्कवियायाकूलन कनकुर्स कन
 सनीवर् ॥ धननलक्ष्मीस्त्रिगव ॥ ॥ यद्ववगादिकसर्व विष्णुवर्गयूयि ॥ निवादिनवरीतस्मा त्ममगायौचमागत ॥
 शसयरासकूनधमयादवतादिसमस्मविष्णुर्गामिशानय समर्थलायाकान कूवजस्त्रीयादजायपयनवर् ॥ ॥

आज्ञासमनन्तरं यत्कारि कर्तव्यं ॥ कदापि दयितुं नर्त्तमद्विधा न त्रिधा गच्छति ॥ ॥ शमय शम द्वा (था) जन्म स कृतमा
 गार्त्तिका र्त्तिक वृत्तया दारुणत (ग) न न कृतं जवा विद्या गच्छय मरु ॥ ॥ एव यत्कारि कर्त्तमा सि न न वृत्तय राय ॥ ॥ मन्त्रानि
 धराता स वि धीति दा स्रिय थाम म ॥ ॥ शमय शम (थ) (थ) मूक न म नूवन कार्त्तिक वृत्तया यि श्वा न क वृत्त थ द्वा ज सानि ।
 धवयी व कृतं जयीति विद्या (थ) (थ) डा द्वा जयीति ॥ ॥ यद्दान वृत्तय ४ कारि (थ) मान वा ४ खल ॥ कार्त्तिक वृत्तयू (थ) स नापू
 वृत्तिकला मयि ॥ ॥ यद्दान वृत्तय निश्चय वृत्तय द्वा न म नूव्य न याग न कार्त्तिक वृत्तया यू (थ) य क नाम मिय ता (थ) ।
 दा काम द्वा ॥ ॥ ०० कृति गम्य तु वना धियत सुदार्ति या क्जन्म यू (थ) र व व र व जा न द र्वा ॥ विष्णु विठ्ठलि तु व न क नि
 दान दूर्त कृष्ण य (थ) म व व न नि उ ग द स ग्या ॥ ॥ थ (थ) विठ्ठल न या अधियति शी कृष्ण यी थ व द्वा (थ) जन्म या यू (थ) र्व
 की द व स ग्या मा गृति रुष मा (थ) या या व थ व द्वा मि विष्णु विठ्ठल न या थ क न कृष्ण गानि म म्मान या द व स ग्या मा न धार्त्त ॥

ॐ तिष्ठति यद्वायुना (८) कार्त्तिकमासादग्नेसयरासाकृष्णसिद्धिद्वितियाध्याय ॥ २ ॥ सयरासोवाच ॥ सर्वविकालावयवा
 सुवकालसूत्रयि० ॥ सनानासुकेर्धनाथ मासानाकार्त्तिकधिकी ॥ ॥ सयरासास्यं कृष्णसकथावधर्वास्त्रासिसम
 सुकालं कलयालससनीदसमसुकालं कलयालया ॥ ॥ यथा उक्तं धनकार्त्तिककालसमसुमाससंग (८) दृश्यते ॥ ॥ एका
 दशातिथिर्नाच मासानाकार्त्तिकद्विय ॥ कथं दत्तं यदवग कान्तं किंचित्कथं ॥ ॥ तिथिदकासकलयालया ॥ काद
 शीद्विय मासदकासकार्त्तिकमासद्वियकलयालया ॥ शक्तिदवयाळी धनकलयालया ॥ ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 साधुद्वयवयाकति गुणधकागमानस ॥ यथा वेदास्यसिद्धिर्दमदधर्मावयव ॥ ॥ श्रीकृष्णस्यस्य गामग्र्याविर्वा
 साधुदकाकथनशक्तिद्वियकलयालया ॥ उक्तं किंचित्कथं ॥ ॥ काजायाकाययुधुवाजाडामहर्षिनावदवासीवाद
 र्विकनदं ॥ ॥ एवमययुनायुष्मा नावद० युधुनायदा ॥ उवाचकार्त्तिकधिकी कान्तं सर्वविस्मृतिः ॥ ॥ कन

गदिसंगति ॥ ॥ एकादशीकार्त्तिकयाकयायुधयोगसंगानवद्विक्लनयायमावधनूतधकी ॥ ॥ धनवृद्धिर्नाधका न
 याकार्याममाकया ॥ ॥ शक्रवधकादशीकार्त्तिकयाकयाजगुक्लानकनधनविधिंयायमावधकी ॥ ॥ समवयध
 न० साका जीवन्मुक्ताकर्ययतः ॥ ॥ धननगायाकयासाकातजुयधनययमावधकी ॥ ॥ अजन्मसवलाध
 नवृत्तमगदगाक्रम ॥ यथा कविधिनासम्राज्ञ समायातवतामयि ॥ ॥ म्नामयधुडसवगविधानधर्याकया (८) धनीराद
 वलाककसकलयासिर्मात्रयायजाय ॥ ॥ एकादशीयतश्चार्त्तिकवद्विद्यतिवाधितः ॥ अतश्चेतिथिर्मात्रा सातीवयति
 दामस ॥ ॥ धकायना (८) वधकादशीकृष्णसकथयजुयवाधनयनीदासजायकाथनधतीथिमात्राअतिजयीय ॥ ॥
 वगदयसमागिर्दनीकर्त्तृसनिधुं कृष्णनगथानयसि ॥ दानानितीथानिगयसियका ० सुलाकनयवसदासूत्राक्रमा ॥ ॥
 धनगावगकार्त्तिकवधकादशीवा वीधानर्थमनूष्यनयायीवद्वर्गानदानतीर्थगययक धनदिननद्वर्गइकातातीध

कीमावकवदानयादाध्वथायसमूहयमदायुः। यवमहायातकीध्वथायदर्शनयादमाउद्रयानमावकीवजविठानधकी॥
 शीविष्णुवाच॥ अद्वगलसमिगलजनरावयादभूम(थेखवखकुसकलसंधाया(थेथुसमसूयविसमजायनया।
 रगीवधनामवाजानगंगासिधसूर्यकीयायमूनानकालिदिहयीव(थेवयीवनगानायायादवेसहागीर्थययागनाम
 सर्वार्थियावाजाहयीवकुनदेवलाकवक्रादिहउवानायसदाकारध्वथायसवसनययनि॥ गीर्थवाजधकीवा ११
 तितिर्थध्वयीव दानवतउयेतययक्रयूजा(थयाकायाजूननरुलवियीवउसानि(धवनिव॥ वक्रदध्याजुदिनया
 यध्वतीर्थदर्शनयादानकठमागनीमायव॥ ध्वतीर्थगङ्गानीकीनदेहयागयायीइनीध्वकीउसनीवसेईवियावयूनजम
 समान॥ ध्वतीर्थसज्जवनीयुधयीवइनीयितनयार्थध्वकीयायीतनगलवकुलुवनीव॥ सूर्यगीमकननांसेविसा
 धन(ध्वतीर्थसमानकुवकीयासमसूयायमारिसूर्यगीनूयावजुधकानमाक(थे॥ सालाकसामिद्यसावूयध्वसागाद

३३ राजभयायाव

सि २

कीधनजलवीयधनूयमकनरागिसमूर्यवनयातमानयाककी॥ ॥ मवतययादडीदाननायदवरुनध्वतीर्थसक्रिक्कि
 नवार्थ॥ ध्वथानदर्शनयादमागनीमनूयजीवनमूकेइनी॥ ॥ सुगडवाच॥ सुतसमिगलाककीनीनावदसमिगुथुवाजा
 कीदार्थ(थेधेवदवनावायलसमिगलाकवयसादवीयावजुधनइनीदवसमसमिगुगइका(थेयिहावथवथव
 सधनवनी॥ धखदनीवइनीमनूयग(थेध्वकीन(ध्वकीइभवध्वकीइकीइकुइवतनेकीदानीइदानीध्वतीर्थवाज
 ययागसमाउद्रयारुललावदनीकागमसवसनयारुलवार्थ॥ ॥ तिथीयययुना(कारिकमायावउ(थेध्वयाय
 ४॥ ५॥ ध्वतीर्थवाच॥ मदकुन(थेयायाकीमूनकारिकमायाया॥ तथाज्ञानविधिसमूहनियमानयिनापद॥ इयायन
 विशिष्ययथावदकुमहसि॥ ॥ ध्वतीर्थनावदसकथावधनीगानावदसकुनतवरुलधकीजुइनीकारिकयासा
 धयाधनवायादमावकुयविधानीनियमविधानीकीदून॥ यधेनयायविधानीकीदून॥ ॥ ध्वतीर्थवाच॥ ध्वतीर्थ



ध्यायन्महात्मना नारायणविग्रहं तत्र ॥ तथा विवदतः समस्त क्रातास्तं गृह्यन्वतः ॥ ॥ गायत्र्युक्तविष्णुयनमध्वरयाजं स
 न जायन्त्याहुनमसयादवत्ता ॥ अथ नैकनजकयावथकाकार्द्रिकमाहात्म्यं कीनदद ॥ ॥ कानिनाथं वदकादगिकुद्र
 ढनीमकार्द्रिकवगयाजं नियमयाय नासवासदीवावनेमयकागदमायावरिवरुताडाकावयकासवनवक्रसूत
 क्रसथागतसगयावगृह्यादिजितसगयावनानमवास्मिकायालमार्तिसयायावविहावानध्वनीसूचीधायसमृद्धिकाका १२
 यावलीवकर्मयाय लीगसक्याउवानवाय मार्गसकायानदययावाहनमायावनवायः तातसद्यागनधावमाया
 ननयादकृतावननधायजीयान ॥ ॥ गीवकर्ममदाक्रियासमस्तक्रियादनिष्कृतक्राथीसाद्वमदायामनुरुलमदा ॥
 धरुनज्वलसि समिधसिग्नादिन सवाद वनमइव जीमनज्वलगुविप्रमाननदीतकावृथामनुरयउर्यकाय ॥ ॥ गाय
 त्र्युक्तविष्णुयनमध्वरयाजं सन जायन्त्याहुनमसयादवत्ता ॥ अथ नैकनजकयावथकाकार्द्रिकमाहात्म्यं कीनदद ॥ ॥ कानिनाथं वदकादगिकुद्र
 ढनीमकार्द्रिकवगयाजं नियमयाय नासवासदीवावनेमयकागदमायावरिवरुताडाकावयकासवनवक्रसूत
 क्रसथागतसगयावगृह्यादिजितसगयावनानमवास्मिकायालमार्तिसयायावविहावानध्वनीसूचीधायसमृद्धिकाका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नदीतथावनयायविष्णुस्मरणयादृशायमलायाय ॥ ॥ यतियद्वर्गनवमी षष्ठीषर्कदिनविना चंद्रसूर्यायनाभव नक्ष
त्रादीनधावन ॥ ॥ यथा जूमावास नवमी षष्ठी आदितवान् चंद्रसूर्यगदला धृतमदीतधावनमभव ॥ ॥ यथाविष्णुदव
नैथरुनसिवदवनसिधरुनर्गधयुष्यधय दीय जंठाववन (यथा) उमयकात्रलादवतायूजनयावनृय गीतयाचक ग
यनादीदृददिकीविय कार्तिकमहान्मा कथाठन वारवानठंदाक्रीगुनूंमंडययादवस्मान्कारिददिकीविय ॥ ॥ यथा
तदावणीकृष्णदवगुनिसंठु नाठ मध्य कागिसन मिसावयान कम्पी न धज्जदीन कार्तिकमभव ॥ ॥ उलसीयूज
यथ उरसीस मर्तविय निजसागस्नान विष्णुकथाठन गिव विष्णु एकचितनयूजनय धन कार्तिकनियम ॥ ॥ नाजा
यलातामूकगनयूजनयमभव तस्कानजीनीस्नाननकारियन्य कार्तिकलायनस्नयायावकुंठवास ॥ ॥ यथागव्वाथेनि
व विष्णुयूजनयाव (यथा) मकुलायार्थनायाय ॥ मकुलीनीकियादीन रकिदीनसूनभवन ॥ यथाजितमियादव यनियूकुं

तदमुम ॥ ॥ ॥ ध्यायार्थनायाठपकलरायदीदवतन नमस्कानयाय ॥ ॥ विष्णुः शिवस्यायिवयूजनयि कूर्वीतस्म
 मन्त्रिगिकार्जिकाया ॥ निधूतयायाऽसदयुर्वज्जस्र ययातिविष्णु रवर्नमनूयाऽ॥ ॥ नायायलगधिइत महादवर्गाथ
 इत कार्तिकतुनालिसम ॥ ॥ दिनवियावयूजायायिइर्वा विधानथ ॥ ॥ धर्मसमस्तयावनतादर्ग थवयुर्वयीतामदयी
 गानमदीतनवकुलवनिव ॥ ॥ ॥ गिगीयदयूना ॥ ॥ कार्तिकसाहाय्यवसाध्यायः ॥ १ ॥ ॥ गीनानदडवाव ॥ मातुल्ला ॥ १३
 ययाविधानकलयरुन नागवासदीठाव वानमजलसमीयसवन दासन गंधाकतयूष्य कृष्ण ऊठावधुविन ॥ ॥
 मानुखदवखागच नद्यामेथवर्मगम ॥ क्रमादगगर्गमाना गीर्थनैतरुलैस्मृती ॥ ॥ मनूखनदयकायूखनीसया
 सीनैडीदनगवरुल कदग कदयासिनैडीदनगवरुल खास खायासिनैडीदनगवरुल खासाव गीर्थसइतडाव
 जूनकरुल ॥ ॥ विष्णुस्मृत्वागतऽकूर्या आकलयसिवनस्यठ ॥ तीर्थनिदवतादिय क्रमादध्यानिदाययः ॥ ॥

विष्णुस्मनयावर्मकलजलविय वनस्यगीतीर्थदवतायार्कधर्न ॥ ॥ नमऽकमलनागाय नमस्कजलसायिन ॥ नम
 स्मस्तुदयिकग गृहानार्थनिमास्तुत ॥ ॥ धमकुलनागायल मूलरिववियजुर्ध ॥ कार्तिकदीकविष्णामि यागस्नानैज
 नादन यीयर्थनवदवग दासादवमयामद ॥ ॥ ॥ क्रमादवस कुलयालययिगियायनजल कार्तिकीयागस्नानया
 दा राजनादनसधकीयार्थनाध ॥ ॥ धनामानकृत ॥ ॥ स्मृत्वागगिरथाविष्णु गिर्विष्णुर्जलविसत ॥
 नासिमारुतगमिष्ठ वृतीस्नाथावधविधिः ॥ ॥ गीनधीर्गग विष्णु गीव सूर्यसूमनयैलखसग रुतागावकीचाठवध
 मूर्नीगीविधानथमगिष्ठ ॥ ॥ गिलामलकवृ ॥ ॥ न गृहीस्नानैसमावतऽ ॥ विष्णुऽस्मृतीयनीनवि कुलगीमूलमृन्मया ॥
 दासनज्ववनगृहीयामानकृत विधवास्ती जगिया कुलगीयाहासवाठयानमादकृत ॥ ॥ सकमीदग्ननवमी द्वितीया
 दशमीयूव ॥ ॥ यथादस्यावनस्नाया इतीरुलगीलैऽसदा ॥ ॥ सकमी जमावास नवमी द्वितीया दशमी गथादगी धन

यासदिगादन ॥ ॥ कार्तिकवृत्तसविधानेधजेमातल्लुयालक्ष्मीनसदीनन(था)अर्थकासीविद्राहूनधर्कधर्मलक्षण
 याय ॥ ॥ धनोवदसववाकलागोशकियुर्वनराययकनासाकमानवतनु(ग)यगवददक्रिणनसतावयादवार
 वार्चनमस्तुनयाय ॥ ॥ गीर्थादिदक्रि(ल)यादवदासुनखमाणिता ॥ सर्वो(ग)यागितादवा ४ युजितासुनदर्वया ॥ ॥
 वाकलागोशर्षिगवधानसा समस्तगीर्थावाकलासदक्रि(ल)यादसवदक्षा(था)स सर्वोदस समस्तदवताठ(था)ग(ल)वाकला
 युज्यालसमस्तदर्वयुजनयारुल ॥ ॥ अत्रकत्रयि(ल)विष्णु ४ सुत्रयावाकलाउवि ॥ नावमन्यानविनाध्या ४ कदाविष्णु
 समिष्ठता ॥ ॥ नारायणगोशुवाकनूयिखनमदावाकलावकनूयिखनदव विष्णुसूत्री धननधवर्मगलयाययनसा
 (ग)ननवाकलाविशार्धमगवज्जयमानयायमगव ॥ ॥ गताविष्णुयियादवी उलगीमर्चयद्धती ॥ यदक्रि(ल)निमस्तु
 नाकुर्यादकाग्रमानसः ॥ ॥ धनरीनारायणस्यीयउलगीदवीर्वयुजायाय(व)गीनयदक्रि(ल)नमस्तुनएकवि

७९

१२

यवाधनीकुरु ॥ ॥ य(था)ककाविर्णदृष्टा कार्तिकवृत्तिनिर्न ॥ यमदृता ४ यत्तार्यन गजा ४ सिंहादिगायथा ॥ ॥ य(थ)सा
 सुसङ्गाकोलकार्तिकयाककर्त्तर्व(ल)दावजमदृगवस्यवनीव सिंदर्वदावकिमिवव(थ) ॥ ॥ वनीविष्णुवर्गकृत नयकृण
 गयाजक ४ ॥ यकृकृत्यायुयाचर्गर्वकुर्णकार्तिकवृत्ती ॥ ॥ धयकानलविष्णुवृत्तयायीकूर्वासरुक्मिजेकृत्याकर्न धडाउ
 ल्यरुलनायमदा यकृत्याकोलसुवर्गइकागार्त कार्तिकयाकोलवैकुण्ठपूरीगार्त ॥ ॥ रुक्मिणीविवमसस्तुयुग(ग)ल
 कार्तिकवृत्त(था) ॥ कार्तिकवृत्तयाककर्त्तीनारायणसज्जुहानवृन्दादिदवताननिर्विघ्ननवकायायिव ॥ ॥ विष्णुव(क)
 गानिर्ग यतनिष्ठीगियुजित ४ ॥ गहृगयिगायाद्या नवनिष्ठीगितगव ॥ ॥ विष्णुवृत्तकार्तिकनिर्गयाककर्त्तियुजनयगया
 थायस गहृगयिगावादिवानिमस्तु ॥ ॥ कार्तिकवृत्तिन ४ युग्य य(था)कवृत्तकोवि ४ ॥ नमस(था)गवदकुर्वकायी
 रुचउमूर्ख ४ ॥ कार्तिकवृत्तयायुग्यससुसङ्गाकोलकार्तिकयाकयायुग्यसिखायादनजनकायमरुया यउ

॥

गणवर्न कातिकोठिअस्य अस्सिअ कीसी उथ सन नानाससुअसुआठदेय गणमहावलवन छुम् निशुम् सनायतिद
 लाधियति यादावजानधनसुगर्वेदाव नदनवनसर्वादाव दवलाकीझाठवयाव दवदेयमहासिंगामेइव दवसिंगामसमा
 को वृहस्यतिस्सिं डावावनसवासनससिहियावम्मावकर्न ॥ दीयाअधीवृहस्यतिस्सिंवारिवावदयावथथदवलाकम्मावकर्न ॥ द
 यगणसिंगामसमाका छुकस्सिं सज्जीवनीविद्यानम्मावकर्न थथअमनावतीदवयानगनअर्थठगर्नदेयन ॥ थनादवडादेय
 डामहाइइइर्न ॥ मूगन यनिअ वना गदा गकि यनछु थआदिनससुअ थथयदानयार्न ॥ थथधावनय अनेककीसीस
 नासाक अनेकदव देय यानकनमासने सुमीसगकदर्न ॥ सुमीससुअगाकयावथना हीलगाकयार्न नगतिगल थससुअ
 सुकागाठावयार्न ॥ ॥ थसिंगामससीकादेय छुकस्सिं सज्जीवनीमकुलम्मावकर्न ॥ ॥ दवगणवृहस्यतिस्सिं डावावनया
 डोयधनम्मावकर्न ॥ ॥ थथदवलाकसिंगामसदवयूददवम्माठम्माठववरवैठावकाधनजनधनछुकतीहार्न ॥ ॥

थाथकककनयीदनयमरुजगदीधनयाकयान ॥ थथदवलाकलगाययासवथनाणीनानायलसिंदवलाकयावियगिइ
 वस अविआठावणीनानायलगादतासनदठविआर्नदवलाकडाकयायायावगनूदगयावल श्रीताहार्न ॥ गोल श्रीकन
 को जाजालधनदेय थनदवलाकसिंगामलजयनयावदवलाकअतिइखीतइर्न थननदवलाकलजसुमेवयना सीध
 लजसिंगामवनधकी ॥ ॥ गीनकीअवाव ॥ रास्वामीअकनयालयामगठा कुलयालयारकाअइवनाइर्न गथअकी ॥
 जाकुलयालस्यसिंगामसमावकर्न कुलयानदयानिधकी ॥ ॥ गीरगवानूवाव ॥ महादवसअसनजायनथार्न वक्रा
 स्यमहादवलयलमावकमदा धीयावक्रासवननर्न कुआथितिर्न जनधनजलममावकगल ॥ ॥ गीनावडवाव ॥ थ
 गल श्रीगाठाठाव गनूजगयाव गिख वक गदा मझजाठावविक्रताविगलदवलागाययाठावयार्न थयविआर्न ॥ थनाग
 नूठवाअविवयारुसनदेय गलवीठनयनयाव आकागगसमनय यीयुधियूनअर्न ॥ ॥ थनाजानधनमीखागाउकीठ

कुडननानायलसडासगमवर्न ॥ थनानानायलसवाजानधनडासडासगमवर्न ॥ आकागगियागाकयायकी (थथम्यवि
 नाअकूदनयार्न ॥ नानायनस्यकूथुवनाल (थथययावधयाधर्न कूथुसनायकीमावकाव कूथुनयूनदेयनाजयानू
 (गानसकयकर्न ॥ ॥ थना (थथदेयनाज आकागगिदायावगनूठयामगिसगगनकूताठवार्न ॥ नानायनस्यकूनावखदू
 लदेयनाजयागगनाकदकर्न ॥ ॥ थ (थथगदागाकदकावनानायलस्यजानधनयानू (गानसमडायडापलकुशनकर्न ॥ २२
 धनली (थथमहावनीनर्न वासुयडुडुर्न ॥ पृथिठनयमहासदुडुर्न (थथसगामल ॥ थ (थथगावनि (थथसकननर्न सगामल
 यावमहायगायिनानायलस्यजानधनदेयनाडावधिठसदनदार्न ॥ ॥ गीविस्मृवाव ॥ गीदेयनाजजकवयवसा
 दधुठकूठविक्रमवययायगावजजुदागगा कूठयनडाठविद्यदामडागुनीइनसर्नवीय ॥ ॥ जलधनउवाव ॥
 शक्तिजिनीरुयकूसगावइयाइर्नजगतनसहिननजगुदसवासयाठविश्राकूठ ॥ ॥ गीनानदउवाव ॥ गगवर्ननाना

गा

समसर्नल ॥ थगजवधायाव (थथदेयनाजयाक (गयकावजनीहावीठावजलकूयाठिठाव (थथजलधनकामकानलया
 यावविस्मृमायानमारुनयावनाइयाठिठवमहादवसकइगकूर्न ॥ थनावाकूकीगसयवर्नवर्नवावदानसयठिठनदीइग
 वर्नधकीदेवदवमहादवसकलीनायावनाइइवीठावनाइमहादवठियिनायर्न ॥ ॥ नाइरूवाव ॥ दवगलना
 यन्नगगलनसवनयर्नया (गलाकूयाअधियतिसर्वननयाठ्ठयवजर्नधनसआइठिठगावृषधज समानवासिस
 दाकार्नकासनआलकावगीव दिगविनग (थथकूनसि सीमावनयवर्नयाआवयावर्नइर्न ॥ ॥ जपनयाअधियति
 अमाडीयावर्नगिनिन धननजमाजजाग्यकूठिनीयाजग्यमखा ॥ ॥ थगधकीजानधनस्यआइविस्मृदयाधकीग
 कूठधायाव ॥ ॥ गीनानदउवाव ॥ थ (थथनाइया (कूठधावठवष्टलयालिमहादवस मिरुसिनमहागुनीस्यकनयनूव
 महासदुठनाडा (थथवजयाठसदनजायनयर्न ॥ इतगतनहनावमवचूचनूठरुयाव मकूवडधिग्वनगयाडावमहा

व

कू

दवसुम (धनजायवयर्न धमाकसीतायवव) थाथजायवयाव (थाइरवववाकूनगर्नवगणर्वडावनाहुडादिह
 यावनेरिडावमहादवम्यर्गर्ण ॥ अमोइरवववधइरवधयायमगर्नधर्क ॥ गउगधर्कमहादवम्यर्गर्णविद्यावना
 हुगाउताव (थायूयवमहादवगर्णियायर्न ॥ ॥ यूनवडवाव ॥ गाम्मीगुकीअर्गर्णकऊनउमानेकनयगुआवि
 ढान ॥ गदवयावर्णगभकूनधर्क ॥ श्रीग्रीधेनडवाव ॥ गायूनवकुनथवनाहानयागानयागानिधर्क ॥ श्रीनानेदडवा २१
 व ॥ थथगिवमहादवम्यर्गर्णविद्याव (थायूनवधथवदस्योदयानानर्नभाउइकावर्णकथथनवर्वडावगद
 गिवमहादवम्यर्गर्णयमनइयाव (थायूनवयागिवयसादवीर्न ॥ ॥ श्रीग्रीधेनडवाव ॥ गायूनवकुननामकीर्तिना
 म ॥ उडानमसदाकानर्विधथइरवकुयुजामयाकर्कयायुजावृथाइयीवधर्क ॥ ॥ श्रीनानेदडवाव ॥ थना (थायूनवध
 गउगावनाहुयूनजमरायर्नर्वडावसमसुवृकानेजर्नधर्क ॥ ॥ ग्रीधेनडवाव ॥ गायूनवकुननामकीर्तिना

यारव्यानडाद (गध्याय ४॥ १२ ॥ श्रीनानेदडवाव ॥ जालिधनलधनर्वडावमहाकाधवगइयावगूनककागिदेशसनामूनका
 वगुकराहुययाहुवनाहुयुतिगुम्विगुम्वि काननमी वनाहक (थायुगतीनजर्नधनमहादवसउसंगमर्वर्न ॥ जर्न
 धनकाधनवाहुर्वडायोमकुठकाठर्न ॥ (थायकावलयुडहुकाठववर्वडावदवलाकणग्रीमहादवसकोठनायर्न ॥ ॥ द
 वाउचु ॥ गाम्मीग (थायम्यमिविआर्गदवलाकयाआयदा धननऊयनिनकनयनिसिगिन (थासागनयायूनजर्नधनमाच
 कीविआहु ॥ ॥ श्रीनानेदडवाव ॥ थनदवगलयावचनर्वडाववृषधुमहादवगाहुनावविआगावर्धिवहर्ग ॥ ॥ श्री
 ग्रीधेनडवाव ॥ गविआसग (थकुनसंगामसउर्नधनममावकर्न वैकुण्ठागर्ग (थकुलआयाकवासुयार्ग ॥ ॥ श्रीविआ
 नुवाव ॥ गमहग कुर्गसनदनर्नलकीयाकिजाइवर्न धननऊनममावका (थादेशकुनयालर्गमाचकीविआहु ॥ ॥ श्री
 महादवडवाव ॥ (थागववलीतजवर्न गमुमुर्ग (चकथाका दवगायाठजलससीतन कुनजसुसईविसनधर्क ॥ ॥

श्रीनामदंडवाय ॥ धनाविष्णुर्वायुमुखनदवयागमहादवस नीयास वनास वक्रग वक्रस धनग स्वर्वागम ईविनी ॥
 आकाशमहाकाकाकान्मानयादसुदगनचक्रवयावमहादवसनादाधसर्वादवनी ॥ समसुदेवतायागमहादवस
 हादवस्यविजयकर्त ॥ ॥ धनाजर्नधनदेशाकाठिदयेनसहितनजूनकनथदसी गदिनठयकीकोलासवर्चनयसमि
 यसवर्नि ॥ ॥ धनामहादवसगणनसयामयातवर्न नदीयहृतिन धनामहासयामसुर्न महागयकीवगमसुनय
 डयार्न रनी सुदगयागद्यनयायनरुजाववीनलाव यादवर्न ॥ किगिसनावाद्ययासद्यनयुधिकीयमहानादगवर्न
 र ॥ ॥ धनयनसातावर्धगकियागामनयावनायामगनया यागयदिग थाकनयुधिसाताहर्न ॥ ॥ सयामसमाक
 यदागीसनाकीसीनयुधिसाताहर्न ॥ वक्रगकयावयवर्तनयहव धनादवयायमथगणनेदयगणमावकर्न ॥ दाकया
 हीकासनयुधिसुर्गमाहर्न ॥ महादवयागणनमावकादयगणहृद सजीवणीविद्यानमावकर्न ॥ ॥ थाखंडवगणस

दमायानगोनीथीठनकीदयासर्न ॥ धनामहादवतागयकनयुयहर्नकावमथसहसुसूर्यथरिडाइर्नयकिलकाजामा
 लीकडाइर्न ॥ ॥ थायकावमहादवसगजखंडावदेयनलवर्नमखर्गदगदीगसर्विनी ॥ ॥ धनामहादवस्यसुनिष्ठसुयागी
 गायविन ॥ गाययीसुसुसुनिसुसुसुयनीस्रिकयठनगोनीथीठानेकीवधयाठउकडाइकाक्यनीगोनीनवधयाकड
 यास ॥ धर्कथथसायेविनी ॥ धनाजर्नधननवगलयूनयूनजूनगवनाहृगर्न महादवस्यथायावनाचुनागसर्विकवक
 दर्न ॥ ॥ धनाचुदगाजुगीकाधहर्नमहागयकनगीदहर्नधनामहादवस्यविगणवर्दावहनावसुयर्नसुदगनव
 कनकयकर्न ॥ ॥ थावक्रगजार्नधनयामगिताकदहावमीखागाकनकीवीसहृगी ॥ जार्नधनयाक्रीनधनवीसकाठिनी ॥ था
 जार्नधनयामगिर्विसहृहावयुधिकीयमानमहासहृहर्न ॥ ॥ थाजार्नधनयागजसेनीनलविहावयावशीचुदसकडईविनी
 वृदायागजयीहावयावयावतीसकईविनी ॥ ॥ धनावकाता वृदा कवय यम वरुण अग्नि वायु नमिथ गंधर्व

गल सिद्ध गल वातल गल साध गल पीतल गल जूयना गल अमि गल आनदन वयाव गीनल राकयास्य नूदगानमस्य
 नयाठव विष्णुता विनहन विष्णु कर्षक लं ॥ **॥ देवाडव ॥** दवला कनध री गामिमि मदानुडस ऊयनी वृत्तेया ललस
 नूया रयमाव कर्षकायाठ विष्णुता ऊयनी सस्य म्र वासदती कुगाइका ऊयनी समदाइ ४ खदवनी वृत्ताया वनाऊनशी
 नानायल र्वाथ थयस विनहयाठ विष्णुता र्वाथ मदाय थन वाधयाय मजीव थग थययाय धकी ॥ वृत्ताया माहनमा
 हनय विष्णुता र्वाथ ॥ **॥ गी ॥** **॥ देवाडव ॥** गदवला क विष्णुस माहमाव कयार्तिसकन महा माया आदिग किमा
 दनिदवी सक सवलावनीन थस्य थकार्ययायिव ॥ **॥ गी ॥** **॥ देवाडव ॥** थगदवला क आरु वियाव गुरु गलन
 सहितन महादव र्वाथ न विष्णुता ॥ दवला कनयनम ग्वनी आदिग कि सक गायार्त ॥ **॥ देवाडव ॥** राद विमागा
 वृत्तेया नया कल सव नज सुम विष्णुता जायनयरी ॥ दयक मावक यानन यनियालयाय जूथन थस मावतला

३४

क्रीया कृतीथवा ठल थया क्रीसजम दूगवयमख ॥ **॥ सर्वयायदुर्नयूथ कासदुलसीवनी ॥** गाययतिनना थुष्टा सु
 नय गीति गाकुरि ॥ **॥ समसुयायमावक ययूथ वदनेया क र्वाथद विवथथिठुलसीययाव ठल गी वदयकीगवमनू**
॥ स्वम थुष्टा क्रीनयस्यति यिदुगी थ क्रीनजमया र्वाथसायममावे ॥ **॥ दर्शननर्मदाया सु गंगा सानेतिथेवव ॥ ठलसीव**
नससिर्ग ४ सममगलय सुर्ग ॥ **॥ नर्मदादर्शनयाय गंगा समाठकय ठलगी वडासिर्गनयान थगतायडितयूथ ॥**
॥ ययला चालना भवा दर्शनना अर्गना नृणा ॥ ठलसीदहनयाय वादन ४ कायसीरुकी ॥ **॥ थयाल नदिमान सवाया**
ठान दर्शनयाठान थियान मनूयायायाय समसु ठलगी नदहनयरी वचननकाया सुनीदनयाठा मननगानयाध
सागाविधियायमार्त ॥ **॥ ठलगी मीजनीरिये ४ कुर्याद्विदनाईनी ॥ नसगर्ग गृहीयाति मूक्तिगागीनमगीयथा ठलसी**
यावान दहन महादेवथइर विष्णुथइर योजायायिदुगी थ क्रीयागर्तवासममान थ क्रीमूक्तिवनिव ॥ **॥ युकना ॥**

द्यानिगीर्थाणि गंगाद्याः सविनस्तथा ॥ वासुदवादयादवाः वसीनिष्ठलसीदले ॥ ॥ यक्षजादिनिर्धर्गगादिनिर्धर्मसमस्तना
 नायलगायतृतीदवसमस्तुलसीदनसवसवयवर्धनी ॥ ॥ उलसीमर्जनीयूका यक्षुयाणां विमूर्चति ॥ विष्णुः साया
 ब्रह्माद्यानि सत्यसत्यनृपाक्रम ॥ ॥ नाचदस्युधुनाजागर्कनी उलसीयावोदरधनक्रीसनयावयागतयीरुनाध
 र्मवेकलसनायायस समीयसवदिवनीने सत्यसत्यनृपाक्रमस्युधुनाजाधर्क ॥ ॥ उलसीमृर्जिवालिका यक्षु
 याणां विमूर्चति ॥ जमायवीक्षिर्गका यूकियावगर्गनयि ॥ ॥ उलसीयाहासवर्धिवानसवीदसकोटावयागतयी
 वक्षर्ग ॥ ॥ धर्म्मजूनकयायनयूकइवसन जमनरवानमायमदा ॥ ॥ उलसीकाक्षुर्जयसुर्वदनैधास्यनन८॥ गद
 इनस्य ॥ गत्याय क्रियमाणमयीरुय ॥ ॥ उलसीसीनेवतनकक्री जूनकयाययाकक्रीइवसनयायनयूनमस्व
 ॥ ॥ उलसीविद्यिनक्या स्कानयगुववय ॥ गग ॥ द्विकर्कव्यविदानदिद्रमकय ॥ ॥ उलसीमायाक्याना

ली

३१

खनशाद्वयागठाव ॥ ॥ धाणीक्यासूयक्या र्जिण्डाननृपाक्रम ॥ मूर्किययातिनयितन मस्य
 यनिनयस्तिर्ग ॥ ॥ ज्विनमाकासयिष्ठथयानयितनमूर्किइवनिनकसवाठमूर्किइनीवितनगलमसर्कइयुधुनाजाधर्क
 नानदनकीडा ॥ ॥ मृ। या। ॥ मूरवववददवनृयसक्रम ॥ धर्म्मधाणीरुलियसु सविद्रुयाहवि८स्यय ॥ ॥ मारसला
 दातस ॥ ॥ स सवीदस ज्विनतस्यजावर्क धर्म्मयासविदसाकागनानायल ॥ ॥ धाखिरुलवकुलसी मूर्किवादानका
 इवा ॥ यस्यदहस्तिगानिर्धर्मजीवमुकाउवाग ॥ ॥ ज्विन उलसी ॥ ॥ धिर्वदन ॥ ॥ मति मदाठ मनीनसधानयजावर्क
 स्वाम्वादमूर्किधाय ॥ ॥ धाणीरुलसुसमिले ॥ ॥ सुलमीयगसयुग ॥ ॥ उल ॥ ॥ मतिननस्यगगि ॥ ॥ मतिरुलसु ॥ ॥ ॥ ज्विन
 डा उलगीहनडा नखसतयावमागुववर्कयावक्षर्ग गगि ॥ ॥ नखनमानक्याडाउगरुल ॥ ॥ दवावर्नन८क्या द्वाणीय
 ८८रुलस्तथा ॥ ॥ मव ॥ ॥ मलिमूर्कोधे नखनस्यायुयारुल ॥ ॥ नायायलगादवावर्णसूजा सज्विनहनल ज्विनल

यज्ञाययीवशर्नान्न मृतिन मलिकष यज्ञायारुललार्न ॥ मनुष्य ॥ ॥ तीर्थमिसनयादवा ४ यज्ञ ४ सर्वयिकार्ति
 के ॥ निर्यधारी समाश्रित्य निर्यथक उल्लासिन ॥ ॥ तीर्थसमर्प अविगल समर्प दवगल समर्प यज्ञ समर्प कार्तिक
 ल उल्लासिससुयर्गाविज्ञान जीवन्मास ॥ समर्पवमनेयवर्नि ॥ ॥ धोरीमूलवयाविष्कार्ति कसर्वथन्न ४ ॥
 विष्करोवसर्वेषू यज्ञितमनस ४ सदा ॥ ॥ विवन्मायासकात्तिकलनावायलगायुजनययिवशर्न ॥ ॥ श्रीलसमस्त ३८
 विष्करोवदनीकायम दानका यथागादिवाचासीमयुजनयारुललार्न ॥ ॥ धोरीउल्लासामात्रायवथमूर्ख ४ ॥
 नसमर्थवदकु यथादवमगादि ४ ॥ ॥ जीवनेया उल्लासीया मदिसावउमूर्खवक्रास्यैर्निरा यमका गार्थनायलम
 मदीमा अमूर्खवदनेयथ ॥ ॥ धोरीउल्लास्यदवकानधैव गृह्णाति ४ ॥ ॥ वयनवगक्रा ॥ विधुतेयम ॥ ॥ पूर्वजसु
 मदेजययविमानसंस्तु ४ ॥ ॥ जीवन् उल्लागीजायनयार्व द्वायीवशर्न र्नीवशर्निकीयाद ॥ ॥ श्रीसमस्तयावलीगण

रा ४

उ ३ रा ३

यावचनठठाव ॥ ॥ थाया ४ ४ खठठावकर्मया ॥ ॥ खननइवठठाव ॥ ॥ धर्मदक्रगाविस्मादकोठकचार्न ॥ ॥ थाया ४ ४ नइवठठाव
 वयनसजुतीदयाचायावकलमागविगनय ॥ ॥ धावा ४ ४ थायावधर्मदक्रस्यधार्न ॥ ॥ ॥ गतिगोपमयुना ॥ ॥ कार्तिकमा
 हात्मा नकानवि ॥ ॥ ध्याय ४ ॥ ॥ ॥ धर्मदक्रउवाच ॥ ॥ राकलहा यायमाचकयाउयाये तीर्थवठाव दानंयाठाव वर्मदठाव
 धर्मदक्रमायअधिकामया ॥ ॥ कलधनददुर्नी ॥ ॥ धननकुलगाविदाखरवठावअवर्कनयाखिनदुर्न ॥ ॥ वयनवकमिरुया
 कुठुमीठाव ॥ ॥ कुलयायजुतीगवडग ॥ ॥ धननकुलगाविजाानीसकुजार्न ॥ ॥ गतिनिदिनकुलमायवगदह ॥ ॥ वीराययुपानमा
 वकमजीव धननजनम्वारीनगमगस्यिका ॥ ॥ केधर्मदठा ॥ ॥ अलदीठाकार्तिकयावद्विपुपानकुसुगतिइवइयास
 कार्तिकवगयायुपानअवम्यनकुनयायमाथिव ॥ ॥ यज्ञ दान मवगावगक्रायासिनकार्तिक ॥ ॥ ॥ धीनानयउवा
 च ॥ ॥ धर्मदक्रववैष्णवयनइ ४ ४ खननथवदाखरायनयावैष्णवयानकल धनधायावशीधर्मदक्रस्यउल्लासीलेखनकल

हा जूतीषकवीननायायलसद्वादगा कनसुसुमययाव थथिद्धिधर्मदकस्युनमीरिवनदावकाव कलहालपुनदह
 गागतावदिवादसुदनीयाठजुगिउल्लगजयाठाववर्नि ॥ थनाकलहानददवतयाठवागठिगाकयेयावधर्मदकस
 केयिनायन हर्ममोननखावागावकी ॥ ॥ कलहावाव ॥ गादिज (शुद्धवाक्यसमष्टि कुलयालयायमादनजयाय
 नमुकिरुगो यायहाठासमुदसयदनयथाठ कुलयालनामयाठावजलयाययायधनाधकी ॥ ॥ गीनानदउ ॥ ३१
 वाव ॥ थथकनहालयीनार्यथावाक्यसकथार्थनार्याठिवाग आकागससुवर्णविमानदर यूप्यगीलडा मुगील
 डा विष्णुइतनक्रीस्यथाविमाधधर्मदकसद्वादवतर्न ॥ गख चक गदा यद्वा जाठावविष्णुनयधननगाविष्णुइतन
 क्रीखिठावधर्मदकस्युदवतयाठनसकायार्ग ॥ यूप्यगील मुगील नक्रीस्य ददवतयाठवाठिधर्मदकगावयथवि
 ठावधर्मयूकावाक्यजूनदमाननधार्न ॥ ॥ गगाउवउ॥ धनधनदिज (शुद्धवाक्यसमष्टि सदाकानीविष्णु

काइखीखीठानदयावावधर्मसवविष्णुवासनग ॥ कुनसगागठिगाठमगस्ययाठाकारिकवतवकीवीयाव कलहाउ
 डावयार्ग (थयूप्यनकुधर्मयूनइगानकुजुदीकयाठवर्मानरु ॥ कुलयाठायूप्यदनीजागगाकारिकवतयाठ
 लन (थकलहायासमसुयायमार्य (थवैकुण्ठयनयाठ (थविमानजाठावजयनीवया ॥ विष्णुनययाठवैकुण्ठसना
 नायलससमीययनधकी ॥ ॥ धनधार्ग (थक्रीयादनयाकधार्ग (थक्रीजमयासरुलधार्ग (थकया कुलयाठा
 (थरकननायायलजुवाधनयार्गक्रीगधर्मदकस ॥ सासुसद्वाया (थनायायलजुवनयाक्रीयाकुमियायईरु ॥ ॥
 डोकानयादनाजायाकायधवगाविष्णुगकधवयदविर्न ॥ नाममागसुमनयाल (थक्रीनसद्गिनार्ग ॥ धननगाधर्म
 दकसनायायलस्यिद्धिधवसमीयमगयीर्ग ॥ गाकारिनायायलसडासंगलकुदीयाव (थनगीकवमाविक्रीनसदीगन
 कुलपृथिससुस्यवर्गसनाजायाठदगनधनामजुवगानकयीव (थयूप्यगाठनायायलस्यिवावधयाययार्गना

वर्णिनयुयवर्णि जाधूयाकाययादुर्धरि (गव दूषवीतनूय सवअ कामडा दर्त धर्षिठनूय विष्कृदागयादुवनवनी।
 (थार्विदावविष्कृदासग्याक (थदयाव (थर्षि (थर्षिवा न (थयूरवदुवनवयाव विष्कृदागगर्ग (थरुवरादुजाग (थजिजन
 दृगदधर्षि (थर्षिधोयोवदुवनववर्षिदाव ग्यादव विष्कृदासवर्षि वचमूर्च्छिद्याव विष्कृदासदनी ॥ थ (थग्यादवदुवन
 नविष्कृदासमूर्च्छि नयदनया र्विदव (थयूरवरासदृष्टनोनायल वृयधननयावरकावसननायलस्यविष्कृदासथ ३८
 मनादागेजिदिवर्षिर्न दिदवसावरास्यविष्कृदागनलकूनवर्णि ॥ साका उजगदीध्वन नायायल गखि वक गदा या
 द्धधनयचिदुर्ज यीतवसु शी वमोदयसर्विद्र किनीठिनसागित अगणीयव्यवर्ण कोमुगमलि लुवययावथ
 (थविष्कृकनायायलठरिविदाव ग्या नविष्कृदासनकुगा धायमिरार्ग नाययामिरार्ग अगीदर्वसाव विष्कृदागवाक्का
 लमरुर्न ॥ थना उदुदादिदवतालाव लसमेस गदि ॥ अयानागलवयाव गीत नृथयार्ग सतसदसुविमान

सदकावदवलाकवर्ण ॥ दवर्षिगलवर्ण गीत वाद्यधायमगलसदरुर्न थना नायायलस्यविष्कृदासद्यसथादाव थवनू
 यडा उर्षिग्वनूय गखि वक गदा यद्म चकुर्जुजयादावविमानसर्धकाव समसुदवलाकलसदिगेनविष्कृदासवकुल
 यर्न ॥ थ (थविष्कृदागवाक्कावकुलवर्षिगवाक्कागल (थयूरसर्वाग्ववाजजास्यिवर्ण ॥ उक्रमविमानसदकावविष्कृदा
 गविष्कृसममियवर्णानानराजास्यिविदाव थवडयाध्यामूद्रवमलथर्षिदावनाजास्यिदार्ग ॥ ॥ वाजावाच ॥ ग्यादि
 तमूद्रवकुल (थवाक्कावडा विधनिनयद्रदानरुयाथर्षियाद (थविष्कृदागवाक्कावविष्कृनूयधनयवर्षिकुलवर्ण ॥ उ
 लसासुसुक्काका लदीक्रियस्यिद्रुयादिगयादवेकुवगगरुया (थर्षियादायद्रुयादा दानयादायुर्मानसानगदान
 थ (थर्न थनिगार्ग (थयनमग्वनजडासमेनमरुनी (थविष्कृदासवाक्कावकुलश्यामो गल (थयनमग्वनलसाकागदर्ग
 नवियाववकुलयर्न धननदानयासिर्नयद्रुयासिर्न यनमग्वनयागकि आवादनयजननीदगनिसायधूना ॥ ॥

सकृत् (था) विष्णुदास साक्षात् ७ दण्डन विद्यावधवचन विद्यावधवकुल यनयनमश्वनस्य ॥ ॥ श्रीनाथ उवाच ॥ (था) नाजा
 स्थितध्यायाव धवनाश्रय रणवादाव नाश्रय शिकक विद्यावना जासाव ॥ (था) नाजा विद्यावकी निर्यवेष्वयं कुरुगदा
 ७ सनय मुनि आदिन सधर्ममनवध्वन (था) नाजा मयूरमदाधना (था) नाजा स्थितवगारा कायरण नाजासाव ॥ ध्वनना
 धनीव नमन नवाश्रयायीव ॥ ध (था) नाजा स्थितवगारा जासाव यक्षया मुनि कुरुदव नवदाव दधव नवावयनम ३६
 ध्वननावनेयसायाव नवसावयादधन रूयनमश्वन भक्तु जजमजम वनविष्णुगकुम्भियादयसन शसनम
 नन सनीदन वचनन कुलथावकुज नजमनयदमानधकी ध्वनधायाव नाजाग मुनि कुरुदसमसद्वार्ग स
 मस्तना कनखनक धना नाजा सदया ध्यामूकनवा कुरुगस्थितमवायावडा यार्यदमशयाव धवसिखावदरुन (था)
 ननमूकनवा कुरुगस (ग) गुरुका धनिता न विगिषाडुनि (था) (ग) गुरया गिरामदा ॥ ॥ (था) नाजाग मुनि कुरुगदवादा

वधना कुरुया मुनि नरकावकुल भक्तु श्रीनाथाय लता रूढवाव विष्णुदाव (था) नाजागायनमश्वन लयसयादाव थकडा
 उल्लानुय गिरव चके गदा यक्षधनययकी विमानसथदव नाजाग विष्णुयनी ॥ समस्तदवलाकी (था) थायवर्न समस्त
 दवलाकन रूढवाधर्मगनयावकी यनमश्वन नाजाग विष्णुयनी ॥ ॥ विष्णुदुतन धर्मदकुरुवा कुरुगार्की न शोधर्मदकुरु विष्णुदास
 वाकुरुगस्थितमलीलनाम (था) नाजागार्की मूलीलनाम (था) नम्रीजयनी नाथाय लस्थितवदानयावयार्जयनी नम्रीदधकी गधर्म
 दकुरुजयनी रायुर्वजमयाविकी नधूनो कुरुयनमवेष्वमहायूरयकी नथा ग्यधननकी दगाधकी ॥ ॥ ॥ गिरिणीयदयूना (लका
 रिकमादासायुध मलीलमूलीलयाख्या नवाविष्णुध्याय ॥ २२ ॥ धर्मदकुरुवाच ॥ शविष्णुदुत ॥ सकल सकल सकल सकल
 लसकुरुजम नखयविदध थाद ॥ ॥ कुरुकन विष्णुयूरीयादानयाव नखवखी नधूनो यून य विजय (था) नम्रीदयनमश्वन ल
 दानयावयाद विष्णुका (था) सकन कुरुया रूलनननकी दन ॥ ॥ गलाउवठ ॥ जयविजयनम्रीदुकिजवा कुरुग जयधाक

क्र विजयमवक्र ॥ (॥ सक्कननक्र विष्णु रक्ती गुरु धर्म ज्ञाना निय कारना नायल म गुरु दान मरु न जाय या क एक विरु न
सदा कारन नक्रा मरु न कारिक वगया क एक दणी वगया क ॥ (॥ सक्कननक्र स निग्र कर्म सदा कारन यन मध्वन साकात
या ददण नवीव ॥ ॥ (॥ ननी मनु रजा जा सय रू स जय रू विष्णो इर विजय रू या ज क इर ॥ थना (॥ सक्कन सयि रू विधान
गया (॥ सक्कन ॥ थना मनु रजा जा सय रू स जय रू विष्णो इर विजय रू या ज क इर ॥ थना (॥ सक्कन सयि रू विधान
या दव यरू वृष्टु यार् मरु न जा जा ग सा नि ज न न सान यार् ॥ (॥ ना जा सयि (॥ जय विजय नक्र रू न न सु वरु वृथ म
लि मुक्ता का ठि स मान न विर ॥ अ न क मरु वृथ गाम का सि रू विर अ न क नाना य का न व मु विर ॥ ॥ (॥ ना जा सयि
विया धन का या व (॥ सक्कननक्र ध व गृ द वर ॥ थना (॥ धन ना नाय ल पूजा या य यार् ए य ध क डार धा व का य ध की ज
य न धार् विजय न धार् कय ए य ना जा ल क न ग वि मरु द का क न ज ग वि मरु द का ज ध की ॥ थना थ (॥ जय ग म वा या व ।

गी

३१

सुग क कारिक वगया क सम दणी ॥ उ न ना गी स कारिक म क न ना गि समा य म व ना गी स वे गार व सदा कारन या ग सान या
क रू मरु कि इर ॥ एका दणी वगया क एक विरु न उल गी वी नी दान या द यूज वथा (॥ मरु कि इर ॥ वा द क ल म वे व
धन स के सदा कारन ज न य मान ॥ म गुरु ज व स रुं दा रु क ल धन वग का न स ग द ग मान धन न कूठ (॥ द द ग र वि कू
पु य री स या क रू या व ॥ जय नी ग (॥ य न म मध्वन स ग या द ग रू (॥ द कूठ ग या व ॥ य रू या सि न दान या सि न ती र्थ या सी
न क न या द कारिक (॥ ॥ धन धर्म द रु ना की द व विष्णु रू न रू स धर्म द रु स कारिक वग व क वि विया क न दा (॥ वि
सु ग ल न वे कू ल य न विष्णु उ ल य ध न य य का व ॥ ॥ (॥ ननी (॥ ग रू कि नी दिन वी व (॥ धर्म द रु ना दि सा का ना ना
य ल य ध न य य की गि व व क ग दा य द ध न य य की वे कू ल य द व वे कू ल स स द स व र ना ना य ल स समी य ग कि
उ न य वा द व (॥ ननी (॥ धर्म द रु ना सूर्य वी ग स द ग न थ ना जा या द जा य न य न वर (॥ ननी (॥ यून वे कू ल व न मरु कि

इति ॥ ॥ (था) लूतिहासख्यविरक्तथा ठनीवदुर्गा क्रायीवदुर्गा (था) क्रीदिसीनिधिनार्जगद्गुननावायलसयसादन ॥
 लूतिशीयदयुना (ल) कार्त्तिकमाहात्म्यपृथुनावदसम्पादतिर्गन्धर्मदकलदोयाख्या नग्याविंशतिमाध्याय ४॥ २३॥ श्रीकृ
 ण्ण उवाच ॥ (था) धनावदसवचनठठवपृथुनाकाञ्चुनियिनिर्दुर्गाजुतिविस्मादवार्त्तासयगामधर्ककृष्णस्यसयसमाकर्त्त
 धनापृथुनाजानगकीयूर्ध्वननावदतायुजायार्त्ता ॥ धनानावदताधर्कथापृथुनाजाकठिगाथाववृक्षवाकविद्वार्त्ता ॥ ॥ ३८
 आसयगामे (था) वगनेताञ्जुनियि कार्त्तिकडा नकादणीय निधिसनकादणी नासीसकार्त्तिक कणसदानका सीमासा
 कलसी धर्कञ्जुनियि माद्यवर्त्तञ्जुनीयि ॥ धर्कमवनया क्रीञ्जुनीमगठा धर्कवैकुण्ठसवास (था) या ॥ ॥ श्रीकृष्ण
 उवाच ॥ आसयगामा कार्त्तिकवगथमदानरुगसाक्षिनेकाठियुष्ण कार्त्तिकवगदठडासगिणवाठनीमहायागकापर्व ॥ (था)
 तार्थ्यायिडासगिणइडाक्रीयायीइयीवधर्मीडासगिणजाडाक्रीधर्मीइयीवसगिर्वगव ॥ यसमीयाकरकमीसानयसमी

नयायुष्णवक्त्रिकायदवस्त्रीनयाठधर्मीयसमीयार्त्तवक्त्र ॥ यजानयाठयार्त्तयुष्णनाजायार्त्तववासक्त्रीवा ॥ उनासास उज्जुस
 नस सीनासानायवावकीदठानयुवासक्त्रीवायाययुष्णवनीव ॥ ॥ भवयायार्त्तथइचयुष्णथइचधीयानक्रायात्रठठान
 जीवासक्त्रिवानीव ॥ भवयायार्त्तयुष्णगानयानसायानसजक्त्रीवासक्त्रीवावयीव ॥ ॥ भवयार्त्तनिदायाक कृवनीय
 चीद्यनीधर्कभवधिकानयाकक्रीन निदायाठक्रीयायायधर्तकार्त्तधवयुष्णडायार्त्तवर्त्त ॥ ॥ धवर्कमवायाकक्री
 यार्त्तसिधमवीम्रिकायावकुसगीनझाक्रीयाधर्गयाठयुष्णरुलधवगामदा ॥ मावदुर्गसध्मियाव निग्रकर्मसभवनागाल
 साथीनसा धवयुष्णकृसवासक्त्रिवानीव ॥ ॥ भवयाधनमसावकीकायावयकृदोनयुष्णयागसादाखनकाइकाव
 वग रुलकयीवधधन (था) वल ॥ ॥ धर्मीयागधर्कभवयाकरुठावयाठानधरुलधवेवक्त्रिदार्त्तवक्त्रिडयार्त्त ॥ ॥
 सिध्यायादवगुनूकाययादवववू मिसायादवयूसमी ॥ ॥ दानयनरुनमगवकाययाजाठाधनइकावयल

रुद्रन दान यागसा लाहागनवीव क्रीनयवासद्धिवाधनकयीव ॥ ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ आसयगाम पूर्वकाचसञ्जवनी
 यूवस वसवयविदि धनश्चननामवाकल कृद्दिव वाकलकर्ममयाक यायीष्ट इमति वाकलजागइयाव ची व
 कल केवने कुवनी इइ धनिमीव सदाठरुसर्वकाक वस्यासनय सुवर्णुदाचक सुनायानयाक इवान धधिग्वे।
 यापि(थाधनश्चननामवाकल (थाधनश्चनवाकलदग्गा नवनर् वनजयायद्याय मीयकाचनन मादिष्मतीनेगववर्न २०
 पूर्वसमदीयासूचलकृयान (था नगवयानाम मादीष्मतिपूनीइव ॥ ॥ (था मदीष्मतिपूनीयासीनसी यायनाणीनीन।
 मदानदीकाठवव ॥ (था नमदासनानादगनअनेकलाक कार्तिकेणमानकूनवव ॥ थ(थकार्तिकेनलाकमानकूल
 ववर्वदाव थधनश्चनवाकल कोठकवायाव (थमानकूनववकठकाडा वनजयायवागनपक्कीग(थाधनश्चन(थवा
 न ॥ क्रिधनमदागीनसगमनयमिचमानजान(थाधनश्चन ॥ ॥ (थाधनश्चनथ(थजावमेवमेववाकल करी वेग्ग

गूडलानमदागीनसमानकूयाव कार्तिकेणजयदाम विष्णुजायाक उलणीयूजनया मग्वीवखर्न ॥ अनकलाकन
 कार्तिकवगयाक (थाधनश्चनखर्न ॥ गावक्कीनयनालयदयविदि (गावक्कीनययाठयूनालयठवदि योखुनद्रव
 (गावक्कीन (गावक्कीनमहावावगकायाठवदि वेष्णुवलाकन (थायकानलविष्णुगिद्वजनयजागनीचदि यूष्णमाणी
 न (गादानयाक वसुदकीला वाकलराजलयवावका (थादाकायकानलयग्विकार्तिकेण (थाधनश्चनवाकलनन
 मदागीनसखर्न ॥ वाशिनादीयमयलदीय यनमश्चनयाक अनककायकविदिखर्न (थाधनश्चन ॥ मदादेवयिनिया
 यन नानायलयोनियायन कार्तिकवगयाठवाठनमदागीनस मीय मायनीमीर्निनविधनश्चनखर्न ॥ ॥ मदा
 यवडा विष्णुडा रुद्रमदा नक्कीठड रुद्रयाकक्रीया कृयागसननीमून ॥ ॥ थ(थ(थाधमनीयनीमृगिकानधमदीडाडा
 यारवनकूयावजुदीनचदि सायाव (थाधनश्चनवाकलरमनयइव ॥ ॥ थ(थजाव(थाधनश्चनवाकल मदाकृष्ण

र्यलठयावयजयन ॥ थना। थधनश्चनवाक्कलमग्नयारवठवधधमोनेयनीकयावायाव उललंणीलखिनधन
 श्वनवाक्कलयार्कसदार्न ॥ उललंणीलखिन। थयार्कसदायाव। थयायायमार्न ॥ थना। थयायागवठवधधनश्चनवा
 क्कलजमदूगन वस्यर्यिठवधनायमनाजास्यविगुगुयसका। थयायाययूलासयकन थनाविगुगुयस्यधार्न जूमा
 मदायायिवाक्कलशयाववक्ककर्मगादगव वाचकवनीनिश्विद्वर्गाक्कियेयमदाजूमाया जूमायायायकलसवल्ली ४१
 दानसिखायायमरुयायायमयगनीद जूमायाधनननक्कगनधर्क ॥ ॥ थ। थविगुगुययाववनठवयमेवा
 जास्ययिमदूगक्कलनेयावनक्कक्कलस। थनश्चनदूगययन नवकक्कलसदूगयानजूनागसवदिवर्न कवकन
 रुयननदानक्कलसदूगयान। थवाकवकलक्कलस। थधनश्चनदूगसुनरिवाठर्न ॥ थर्थिगुगुगिकोठुका
 दूगनयमनाजागियिनायन धठठव यमनाजागकोठुकायावा। थधक्कवार्न धवनसयनमवक्कन नदगाभा